महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति (मर्यादित)

पोस्ट – डाँडगांव, ब्लॉक – उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग)
पंजीयन क्रमांक – 2203, PAN NO. AAGAM3516J
GMAIL-MUBSS2018@GMAIL.COM

प्रति,

दिनांक: 03 फरवरी 2024

तिरुमाल कमलेश्वर डोडियार विधायक - सैलाना, मध्य प्रदेश
तिरुमाल थावर चंद डामोर विधायक - धरियावाद, राजस्थान
तिरुमाल उमेश डामोर विधायक - आसपुर, राजस्थान
तिरुमाल राजकुमार रोत विधायक - चौरासी, राजस्थान

विशेष आमंत्रण पत्र

हमारे आदरणीय आदिवासी विधायक बंधु,

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी की सरगुजा जिले के सुदूर आदिवासी अंचल में स्थित महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति (मर्यादित) (MUBSS), जिले में रहने वाली आपकी आदिवासी बहनों की सहकारी समिति है जो की राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत साल 2017 में निर्मित की गई थी। यह समिति अपने क्षेत्र में आज विविध व्यावसायिक उत्पादों की पहल से सालाना करीब 1.5 करोड़ की आय के साथ आजीविका मिलने से यहां की सैंकड़ों बहनें अपने परिवारों को सशक्त बना रही है। हमारे MUBSS द्वारा किये जा रहे कार्यों में से प्रमुख और बड़ा कार्य राजस्थान राज्य विद्युत द्वारा यहां के आदिवासी बच्चों की आधुनिक शिक्षा के लिए चलाए जा रहे केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड की एक मात्र अंग्रेजी माध्यम का स्कूल जहां हमारे भी बच्चे पढ़ते हैं, में पढ़ने वाले 800 से अधिक बच्चों के लिए जलपान तथा मध्यान्ह भोजन तैयार करने और यूनिफॉर्म सिलाई का कान्ट्रैक्ट है। इसके अलावा हमारी MUBSS की बहनों द्वारा संचालित मसाला उद्योग, सेनीटरी पैड उद्योग, डेयरी, फ़िनाइल और हाथ धोने का साबुन, चावल की सफाई के लिए छोटी राइस मिल, केंचुआ खाद निर्माण और मशरूम उत्पादन भी शामिल है। हमारे इन प्रयासों को सरकारी और गैर सरकारी संगठनों ने काफी सराहा है और बढ़ावा भी दिया है।

आप हमारे आदिवासी भाई राजस्थान और मध्य प्रदेश क्षेत्र से स्थानीय लोगों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और हमें यह सूचना मिली है, कि आप लोग सरगुजा तक आदिवासियों से मिलने के लिए आ रहे हैं। हम इस मौके पर आपको हमारे सदस्यों से मुलाकात तथा चर्चा एवं हमारे व्यवसायिक संस्थानों में भ्रमण के लिए सादर आमंत्रित करते हैं। हम सरगुजा में रहने वाली बहनों ने राजस्थान सरकार के विद्युत निगम की मदद से जो सफल उद्यम बनाए हैं उनको देखने और समझने के लिए आप सभी भाइयों से अनुरोध करते हैं। ताकि आप कुछ मुठ्ठीभर बाहरी लोगों द्वारा भारी खर्चे से सोशल मीडिया मे चलाए जा रहे दुष्प्रचार से भ्रमित ना हो।

यह तो हुई आपकी आदिवासी बहनों की सशक्तिकरण की बात। अगर हमारी आने वाली पीढ़ियों की बात करें तो उसके लिए भी राजस्थान विद्युत निगम एक आधुनिक शिक्षा पद्धति के अंग्रेजी माध्यम की CBSE स्कूल द्वारा सैकड़ों बच्चों को मुफ़्त शिक्षा, किताबें, यूनिफॉर्म और परिवहन मुहैया करवा रहा है। इसके अलावा कमजोर बच्चों के लिए अलग से क्लास की व्यवस्था और स्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा कोचिंग एवं ऑनलाइन कोचिंग के लिए टैब की भी व्यवस्था की है। हमारे परिवार राजस्थान विद्युत निगम द्वारा चलाए जा रहे दवाखाने और किसान क्लब जैसे संस्थानों से भी लाभान्वित है।

महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति (मर्यादित)

पोस्ट – डाँडगांव, ब्लॉक – उदयपुर, जिला – सरगुजा (छ.ग)

पंजीयन क्रमांक – 2203, PAN NO. AAGAM3516J

GMAIL-MUBSS2018@GMAIL.COM

हसदेव के इस दुर्गम क्षेत्र में खदान के अलावा रोजी-रोटी का और कोई साधन नहीं है और अब हम महुआ और अन्य चीजों को इकट्ठा करके केवल वन पर आश्रित नहीं रह सकते। हम भी चाहते हैं कि हमारे बच्चे अंग्रेजी माध्यम के स्कूल में पढ़ें, अच्छी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। हम भी बाइक और कार और अच्छा भोजन चाहते हैं। हमें भी पक्के घरों में रहने का पूरा अधिकार है और इसे महुआ इकट्ठा करके नहीं बनाया जा सकता है। अतः मेरे आदिवासी नेता भाइयों से निवेदन है कि हमारे लिए और भी अलग-अलग सुविधाएं मुहैया करवाएं ताकि हम दूसरों के बराबर रह सकें।

आपको ज्ञात होगा की प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भारत सरकार ने मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की राजस्थान सरकार को सरगुजा स्थित पीईकेबी खदान आवंटित की थी जो की तत्कालीन मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समय पर कार्यान्वित हुई। उल्लेखनीय है की समय समय पर बदल रही राज्य और केंद्र सरकारों ने पीईकेबी खदान को राजस्थान के करोड़ों विद्युत उपभोक्ता और सुरगुजा जिले के हजारों परिवारों के हित में समर्थन मिलता रहा है। इसके पीछे एक कारण यह भी है की राजस्थान के विद्युत निगम ने आक्रामक वनीकरण से लाखों पेड़ लगाकर हसदेव के पर्यावरण में और भी हरियाली फैलाई है।

ऐसे में हम आपकी बहनें आपको फिर से एक बार हमें मिलने और खुले मन से सुनने के लिए आमंत्रित करती हैं।

धन्यवाद!

आपके आगमन में प्रतीक्षारत आपकी आदिवासी बहनें,

अमिता सिंह टेकाम, अध्यक्ष
महिला उद्यमी बहुउद्देशीय सहकारी समिति (मर्यादित)